Railway Line from Mariani to Chaparmukh

693. **Shri Bedabrata Barua**: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether in view of the recurring explosions on the Railways in Assam due to sabotage by the Naga hostiles, Government have under consideration any plan to have an alternative Railway line from Mariani to Chaparmukh by connecting Baruabamungaon station with Jakhalabandha station; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) No.

(b) Does not arise.

Rail Link between Paradeep Port and Cuttack

694. **Shri Chintamani Panigrahi**: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the stage of the proposal for linking Paradeep Port with a Railway line from Cuttack;

(b) when the construction is expected to start;

(c) the amount spent in the location survey of the Rail link to Paradeep; and

(d) whether there is any proposal to further link Rourkela with Paradeep by a Railway line for the export of Rourkela Steel products?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Engineering and Traffic Surveys for the Cuttack|Barang-Paradeep railway line are in progress.

(b) A decision regarding construction of this line can only be taken after necessary surveys are completed.

(c) The surveys are in progress and are expected to cost approximately Rs. 4 lakhs.

(d) No.

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची

695. **श्री बालमीकी चौधरी** : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची में कितनी पूंजी लगी हुई है ;

(ख) उसकी वर्तमान उत्पादन क्षमता कितनी है तथा वह विभिन्न फर्मों की कितनी मांग को तथा किस प्रकार से पूरा करती है;

(ग) विभिन्न मशीनों को पूरी क्षमता के अनुसार उत्पादन क्यों नहीं हो रहा है ; और

(घ) इस बात के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है कि इतनी रकम खर्च करके जो मशीन लगाई गई है उनसे अधिक से अधिक उत्पादन हो सके ?

औद्योगिक विकास और समवाय-कार्यमंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) कम्पनी की तीन परियोजनाओं, हैवी मशीन बिल्डिंग संयंत्र, फाउन्ड्री फोर्ज संयंत्र तथा हैवी मशीन टूल्स संयंत्र तथा बस्ती के पूंजीगत खर्च का अनुमान 215.08 करोड़ रुपये है।

(ख) (1) हैवी मशीन बिल्डिंग संयंत्र

वर्ष	क्षमता (मी० टन)	उत्पादन (मी० टन)
1966-67	14,500	14,307 (वास्तविक)
1967-68	15,000	15,000 (आर्डर प्राप्त हो चुके हैं)

(2) फाउन्ड्री फोर्ज संयंत्र

यह संयंत्र अभी पूरा होना है। जो भाग बन चुकी है उनमें आंशिक उत्पादन प्रारम्भ हो चुका है। 1966-67 में वास्तविक उत्पादन तथा 1967-68 में अनुमानित उत्पादन निम्न प्रकार है :—

	उत्पादन (मी० टन)
1966-67	5,761
1967-68	15,000

(3) हैवी मशीन टूल्स संयंत्र

यह संयंत्र भी अभी पूरा होना बाकी है। आयातित पुर्जों को जोड़ कर मशीनों का सीमित संख्या में प्रारम्भिक निर्माण कार्य हाल ही में प्रारम्भ किया गया है। 1966-67 में चार मशीनों को पुर्जे जोड़ कर तैयार किया गया था। 1967-68 की निर्माण क्षमता 37 मशीनें है।

(ग) तथा (घ) इस समय अप्रयुक्त क्षमता बिल्कुल नहीं है। हैवी मशीन बिल्डिंग प्लांट की उत्पादन क्षमता निरन्तर बढ़ती जायेगी और 1971-72 में निर्धारित क्षमता 80,000 मी० टन प्रति वर्ष तक पहुंच जायगी। चूंकि इस संयंत्र में बनाई जाने वाली मशीन आवश्यकता के अनुरूप होंगी, इसलिए इनकी डिजाइन और प्रौद्योगिक प्रलेख आदि तैयार करने में 18 मास लग जाते हैं और तत्पश्चात् इनके निर्माण में 12 महीने और लगते हैं। उत्पादन के इस प्रकार लम्बे क्रम को देखते हुए आगामी वर्षों में प्राप्त होने वाले आर्डरों से ऐसा ज्ञात पड़ता है कि इनमें कुछ बेकार क्षमता है। संयंत्र को पर्याप्त आर्डर दिये जाने और तथा इसमें उत्पादन में यथासम्भव विविधता लाने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं।

स्टीम और डीजल इंजनों का निर्माण

696. श्री यशवन्त सिंह कुशवाहा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में अब प्रति वर्ष पृथक-पृथक कितने स्टीम और डीजल इंजनों का निर्माण हो रहा है;

(ख) पिछले वर्ष इन में से पृथक-पृथक कितने इंजनों का निर्यात किया गया और कितने देश में उपयोग में लाये गये; और

(ग) पिछले वर्ष विदेशों से किस-किस प्रकार के और कितने इंजनों का आयात किया गया ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : इस समय भारत में भाप और डीजल रेल इंजनों का वार्षिक उत्पादन क्रमशः लगभग 180 और 60 है।

(ख) इन सभी का उपयोग देश में ही किया गया।

(ग) एक भी नहीं।

सीमेंट का मूल्य

697. डा० महादेव प्रसाद : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि सीमेंट पर से नियंत्रण हटाये जाने के बाद किसी भी व्यक्ति को निर्धारित मूल्य पर सीमेंट नहीं मिलता, क्योंकि लाइसेंस प्राप्त सीमेंट के व्यापारियों की संख्या नियंत्रित है; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस नियंत्रण को भी हटायेगी ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।